रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 116 इंदौर, गुरुवार 1 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

NUJI के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राश बिहारी का रणजीत टाइम्स कार्यालय में भव्य स्वागत एवं विशेष संवाद

रणजीत टाइम्स | विशेष रिपोर्ट

इंदौर- इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स ब्रुसेल्स, बेल्जियम से सम्बद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रास बिहारी ने रणजीत टाइम्स के मुख्य कार्यालय, इंदौर का दौरा किया। इस अवसर पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया मुख्य संपादक श्री गोपाल गावंडे, मध्यप्रदेश ब्यूरो प्रमुख दीपक वाडेकर, इंदौर संभागीय संयोजक उत्सव सोनी, पत्रकार राजेश धाकड़, दीपक होलकर, तथा रणजीत टाइम्स की पूरी टीम ने उनका आत्मीय अभिनंदन किया। श्री रास बिहारी को "माँ अहिल्या बाई होलकर" की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया, जो सेवा, न्याय और नेतृत्व की प्रतीक हैं। इस अवसर पर उन्होंने श्री गोपाल गावंडे जी को NUJI की राज्य इकाई जम्प में इंदौर के जिला अध्यक्ष पद नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं और बधाई दी। इसके साथ ही अध्यक्ष जी ने आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन को लेकर भी विशेष चर्चा की और इंदौर में प्रस्तावित इस महासम्मेलन के लिए सदस्यता अभियान को तेज़ी से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन पत्रकारों की सुरक्षा, मान-सम्मान और सामाजिक सुरक्षा के लिए लगातार सरकार से संवाद में है, और आने वाले समय में कई अहम घोषणाएं हो सकती हैं। यह मुलाकात पत्रकारिता, संगठन और सामाजिक सरोकारों के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव ने भीषण गर्मी के चलते नहरों में पानी छोड़ने का किया अनुरोध

रंजीत टाइम्स -शिवकुमार राठौड़

कसरावद.पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव ने मुख्य अभियंता इंदिरा सागर परियोजना को लिखे अपने पत्र में निवेदन किया है कि इंदिरा सागर परियोजना और ओंकारेश्वर बांध परियोजना खरगोन उदवहन योजना,कठोरा उदवहन योजना, अपरवेदा बांध और देजला देवाड़ा बांध से नहरों और कुन्दा एवं वेदा नदी में पानी मई के प्रथम सप्ताह में छोड़ा जावे । उल्लेखनीय है कि निमाड़ अंचल में मई माह के प्रथम या द्वितीय सप्ताह से बड़े पैमाने पर क्षेत्र के किसान गर्मी के कपास के बीज की बुआई प्रारंभ कर देते है । इससे पूर्व किसानों को सिंचाई हेतु पानी की आवश्यकता होती है, साथ ही गर्मी में बांधों से पानी नहीं छोड़े जाने की स्थिति में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नहरीय और नदी किनारे के ग्रामों में निवासरत ग्रामीणों एवं मवेशियों को पेयजल संकट व्याप्त होने कि संभावनाएं बनी रहेगी । इंदिरा सागर परियोजना, ओंकारेश्वर बांध परियोजना और खरगोन उद्वहन सिंचाई परियोजना, कठोरा उद्वहन सिंचाई योजना, अपरवेदा और देजला देवड़ा बांध के साथ ही अन्य सिंचाई परियोजनाओं का पानी नहरों और नदियों में छोड़ा जाए ताकि ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध हो सके। मवेशियों को पीने का पानी मिल सके और किसानों को फसलों के सिंचाई का पानी भी समय पर मिल सके।

पशु चोरी करने वाले तीन आरोपियों को खलटाका चौकी पुलिस ने किया गिरफ्तार,दो लाख चालीस हजार रुपए मूल्य के चार बैल किए जब्त

रंजीत टाइम्स -शिवकुमार राठौड़

कसरावद.बलकवाड़ा थाना की खलटाका पुलिस चौकी क्षेत्र में फरियादी रुबाब निवासी ग्राम खडकवानी ने रिपोर्ट की थी कि उसके खेती किसानी के काम के दो जोड़ी कुल चार बैलो को तलाई मोहल्ला विक्रम के घर के पीछे खेत मे ग्राम खडकवानी में बांधा था जहाँ से कोई अज्ञात चार बैल कीमत लगभग दो लाख चालीस हजार रुपये को चुरा कर ले गए है । फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात बदमाशो के विरुद्ध अपराध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।प्राप्त सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना से अवगत करवाया गया एवं त्वरित कार्यवाही करते हुए चौकी खलटाका थाना बलकवाडा से पुलिस टीम का गठन कर चोरी की घटना का खुलासा कर आरोपियों की तलाश पतारसी करने हेतु लगाया गया । पुलिस टीम के द्वारा भी क्षेत्र मे सक्रिय आपराधिक तत्वों एवं मुखबिरों को सक्रिय कर चोरी के मामले मे आरोपियों की जानकारी एकत्रित करने के लिए लगाया गया ।परिणामस्वरूप विवेचना के दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, उक्त बैल चोरी की घटना मे सद्दाम निवासी खडकवानी, .अलफाज निवासी खडकवानी व सलाउद्दीन उर्फ भय्यु निवासी धरमपुरी हाल मुकाम निमरानी का हाथ हो सकता है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम के द्वारा तीनों संदिग्धों के मिलने वाले स्थानों पर दबिश दी गई व चौकी लाकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गई । जिसमे उन्होंने उक्त चोरी की घटना को कारित करना स्वीकार किया गया आरोपियों के कब्जे से चार बेल जप्त कर न्यायालय पेश किया गया। उक्त प्रकरण, मे एसडीओपी मनोहरसिंह गवली के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी बलकवाडा रितेश यादव के नेतृत्व में चौकी प्रभारी खलटांका राजेन्द्र अवास्या, अशोक नैय्यर, रामेश्वर पाण्डे धनसिंग पवार अखिलेश भूरिया नीरज यादव की सराहनीय भूमिका रही।

चितावद में 14 जोड़ों का विवाह सम्मेलन 14 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे

रंजीत टाइम्स -आशीष शर्मा

सनावद-बेड़िया / समीपस्थ ग्राम चितावद में श्रीरेवा गुर्जर सामूहिक विवाह सम्मेलन 14 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे। विधायक सचिन बिरला एवं जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक विवाह में सम्मिलित होकर वर-वधुओं को नव दाम्पत्य जीवन की बधाई एवं शुभकामना दीं।सामूहिक विवाह समिति के विकास मुछाला,गजानंद मुछाला,दिलीप मुछाला,जगदीश मुछाला,भैयालाल भाई सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

लायंस क्लब बेड़ियां को डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समारोह में चार्टर प्रदान किया

रंजीत टाइम्स -आशीष शर्मा

सनावद/बेड़ियां-लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233-जी 1के रीजन-2 आरोही में मिशन 1.5 मिलियन की प्रगति में नव गठित लायंस क्लब बेड़ियां को डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस समागम में चार्टर प्रदान किया गया।जोन चेयरमैन जाकिर हुसैन अमी के जोन में गठित लायंस क्लब बेड़ियां को अतिथिगण डिस्ट्रिक्ट गवर्नर योगेंद्र रूनवाल,एरिया लीडर कुलभूषण मित्तल,रीजन चेयरपर्सन प्रियंका गुजराती, कॉन्फ्रेंस चेयरमैन डॉक्टर जे पी चौहान,एवं जोन जाकिर अमी द्वारा अध्यक्ष लवकुश पटेल सहित कार्यकारिणी को चार्टर भेंट कर पिन प्रदान कर शुभकामनाएं दी गईं। सीताराम पटेल,मनोज पटेल,हुकुम पटेल, हेमलता पटेल, जयश्री पटेल,पुष्पा पटेल,अनिता पटेल,महेश्वर अध्यक्ष ज्योति मंडलोई,तसनीम नज़मी आदि सहित सदस्यगण उपस्थित थे।दो दिवसीय डिस्ट्रिक्ट कॉन्फ्रेंस में रीजन एवं जोन की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।साथ ही रीजन चेयरपर्सन प्रियंका गुजराती के नेतृत्व में क्लबों का बैनर प्रेजेंटेशन भी संपन्न हुआ।डिस्ट्रिक्ट के 180 से अधिक क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने समारोह में उपस्थिति प्रदान की।।आनंद मोहन माथुर सभागृह में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अध्यक्ष लव कुश पटेल एवं क्लब स्पॉन्सर बड़वाह नर्मदा डॉ जे पी चौहान ने कहा बेड़ियां क्लब द्वारा शीघ्र ही स्वास्थ्य शिविर एवं विभिन्न सेवा कार्य सम्पन्न किए जाएंगे।

बामनिया रेल्वे स्टेशन पर जर्जर प्रवेश मार्ग से आम यात्रियों को हो रही परेशानी

रंजीत टाइम्स -राजेश सोनी

जिले के बामनिया रेल्वे स्टेशन तक पहुंच मार्ग की जर्जर अवस्था और प्रवेश के स्थान पर लगाए गए बेरिकेडस के समीप के फर्श के क्षतिग्रस्त हो जाने से आम रेल यात्रियों को परेशानी उठानी पड रही है । रोजाना इस क्षतिग्रस्त मार्ग से बेरिकेडस में प्रवेश एवं निकासी करने के दौरान कई यात्रियों को फिसलते और गिरते देखा जा रहा है ।कई यात्रियों को यहां चोट का शिकार भी होना पडा है ।

ये है मामला-

बामनिया रेल स्टेशन पर मुख्य सडक मार्ग से पहुंच मार्ग लम्बे समय से जर्जर अवस्था में है ।स्टेशन से बाहर निकलने के लिए बने टीनषेड तक तो रेल्वे द्वारा सीमेंटीकरण किया हुआ है किन्तु उसके ठीक बाद लगाए गए लोहे के पाईप से बनाए गए बेरिकेडस के समीप ही फर्श क्षतिग्रस्त हो रहा है ,जबकि बेरिकेडस के बाद कच्चा मार्ग है । अपने गतंव्य तक रेल यात्रा करने के लिए स्टेशन में प्रवेश एवं रेल यात्रा कर स्टेशन से बाहर आने के समय बेरिकेडस वाले भाग में क्षतिग्रस्त फर्श के कारण यात्रियों को गिरते पडते देखा जा रहा है ऐसे में अक्सर यहां गंभीर चोट एवं हादसे की भी आषंका बनी हुई है । खासकर सुबह दाहोद-भोपाल डीएमयू ,उज्जैन-दाहोद मेमू ,एवं सांयकालीन दाहोद-उज्जैन मेमू, कोटा-वडोदरा पार्सल यात्री गाडियों के समय यहां यात्रियों की आवाजाही अधिकतम रहती है जिन्हें बेरिकेडस के सीमित स्थान से जल्दी में निकलना पडता है, ऐसे समय यात्रियों का ध्यान भी स्टेशन के अन्दर प्रवेश करने और बाहर निकलने में रहता है और इसी क्षेत्र में टूटे फूटे एवं असमतल फर्श पर फिसलने ,गिरने की घटना होती रहती है । आरंभ में तो रेल्वे द्वारा बेरिकेडस के रूप में लोहे की एंगल कटिंग कर लगा दी थी जिससे काफी समय यात्रियों को आवाजाही में तकलीफ उठानी पडी थी बाद में यहां लोहे के पाईप लगाए गए किन्तु इस क्षेत्र के असमतल और उबड खाबड फर्श को दुरूस्त नहीं किया गया जो आज भी समस्या बना हुआ है ।

इससे भी होती परेशानी

स्टेशन के प्रवेश द्वार के टीनशेड के बाद लगे बेरिकेडस और मुख्य सडक के बीच कच्चे मार्ग भी दो पहिया चारपहिया वाहन एवं यात्री बसे खडी हो जाती है जिससे रेल से उतरकर बाहर आने एवं रेलगाडी से यात्रा करने के लिए स्टेशन के अन्दर प्रवेश करने वाले यात्रियों को कई बार मशक्कत करना पडती है ।

इनका कहना है -

बामनिया रेलवे स्टेशन पर पेटलावाद, थांदला तहसील के लोगो के साथ ही समीप के राजस्थान क्षेत्र से भी रेल सुविधा का लाभ लोगो द्वारा बड़ी संख्या में लिया जाता है किन्तु प्रवेश पर ही यात्रियों को परेशानी उठाना पड़ती है, शीघ्र इसे दुरुस्त किया जाना चाहिए अजयसिंह सिसोदिया, सामाजिक कार्यकर्त्ता

जिम्मेदार बोले

आपने अवगत करवाया है ,फर्श और मार्ग को दुरूस्त करवाकर यात्रियों को जल्द ही सुगमता प्रदान की जाएगी । – आई ओ डब्ल्यू प्रभारी, मेघनगर

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 1 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

निधन हार्ट अटैक से हुआ है

बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा वह दो दिन से सीहोर में एक रिसोर्ट में गुरमीत टूटेजा की बेटी की शादी में थे। बुधवार सुबह वह सीहोर में थे तो वहां तबीयत खराब हुई। साथ में कांग्रेस के शहराध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा में थे। तभी सभी ने कहा कि आप दिखवा लो। लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। सीहोर से ही उन्होंने एसिडिटी की गोली बुलवाई और खा ली। इसके बाद फिर वह इंदौर के लिए रवाना हो गए। दोपहर तीन बजकर पांच मिनट पर वह इंदौर आए। यहां भी सभी ने कहा कि जुपिटर अस्पताल में दिखवा लो। लेकिन वह बोले घर चलेंगे। आधे घंटे में बेहोश हो गए- इसके बाद वह घर पहुंचे ही थे कि थोड़ी देर में चक्कर आया और बेहोश हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें पास में खंडवा रोड स्थित गौरव अस्पताल में लेकर गए। लेकिन डॉक्टर ने उन्हें अस्पताल में चेक करते हुए मृत घोषित कर दिया।

वार्षिक शिविर में यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई

रंजीत टाइम्स अनिल चौधरी

इंदौर। इंदौर शहर के सुगम, सुरक्षित, सुखद यातायात हेतु नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक लाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व यातायात के वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा सघन यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं, इस दौरान यातायात जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। इसी कड़ी में विद्यासागर स्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल में दिनांक 27 अप्रैल 2025 से 06 मई 2025 तक वार्षिक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में 500 एनसीसी कैडेट्स (छात्र-छात्राएँ) तथा संबंधित शिविर स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। शिविर के दौरान यातायात पुलिस के प्रधान आरक्षक रणजीत सिंह व एजुकेशन विंग टीम के द्वारा विशेष सत्र आयोजित कर छात्रों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें सड़क सुरक्षा, लाइसेंस, हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग, ट्रैफिक संकेतों की पहचान जैसे महत्वपूर्ण विषयों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार करना था। कार्यक्रम के अंत में सभी कैडेट्स ने सड़क सुरक्षा शपथ भी ली।

जाहिर सूचना

दिनांकः- 30/4/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे पक्षकार के द्वारा 1) आदिल मंसूरी पिता अकरम मंसूरी, निवासी 989/101, बिजलपुर रोड, इन्दौर, 2) श्रीराम चौहान पुत्र हरे सिंह चौहान, निवासी 38. ग्राम ससल्या बुजुर्ग, खरगोन, 3)ईकबाल खान पिता इसमाईल खान, निवासी नर्मदा कंट्रोल रूम, रिमझिम होटल के पीछे, नर्मदा मार्ग, बिजलपुर रोड, इन्दौर, 4) आरीफ खान पिता अब्दुल गनी, निवासी फलैट क्रमांक 205, आशोका कालोनी, माणिक बाग रोड. 29/37 खाती वाला टैंक इंदोर 4) दिनेश नायक पिता फतेसिंह नायक, निवासी ग्राम पडावा तहसील बडवाह जिला खरगोन, (भू-अधिकार पुस्तिका क्रमांक 11124941190 के अनुसार) के मालिकी एवं अधिपत्य की ग्राम बागोद मे स्थित भूमि जिसका पटवारी हल्का क्रमांक 03 के राजस्व निरिक्षक मण्डल बडवाह के अनुसार सर्वे क्रमांक 1/1 (S) का कुल रकबा 3.1560 हैक्टर का सौदा किया है तथा इस पेटे आंशीक बयाना राशी भी अदा कर दी है। यदि उक्त भूमि को मेरे पक्षकार के द्वारा खरीदने पर अगर किसी को कोई आपत्ति हो व यदि सदर संपत्ति पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, वारीस निकाय आदि का किसी भी प्रकार का भार अथवा बोझ (जैसे कर्ज, जमानत, मेन्टेनेंस, अटेचमेंट, डिक्री आदि) हो या शासकीय, अर्द्धशसकीय विभाग नजुल विभाग को इस विक्रय व्यवहार से आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिनो मे आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत करे अन्यथा अवधि गुजरने के पश्चात कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर मेरे पक्षकार उक्त भूमि विक्रेता से पंजिकृत विक्रय लेख अपने पक्ष में करवा लेंगे और इसके पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति स्वीकार नही की जाएगी।

अभिभाषक
विकास भारद्वाज

393, स्कीम न0 114 पार्ट -1. सन्त नगर इंदौर
मोबाइल न० 7027078128

ईश्वरीय चेतना में प्रवेश करने से बढ़कर कोई और ज्ञान नहीं है

रंजीत टाइम्स

ज्ञान रुपी चक्षु कोई भी जन्म से ही लेकर नहीं पैदा होता। और न ही इसे कोई स्वयं अपने बलबूते पर धारण कर सकता है। इसे धारण करने के लिए किसी ज्ञानी का सानिध्य जरूरी है। यहां तक कि राम चंद्र जी जैसे अवतरित महापुरुष ने भी इस ज्ञान रूपी चक्षु को धारण करने के लिए ऋषि मुनियों का ही आशीर्वाद लिया था। और आम जन की यह किस्मत पर निर्भर करता है कि उसे जीवन भर कोई ऐसा संग मिल भी पाता है या नहीं। कई बार हमारी आंखों के सामने राह होती है और हम पहचान नहीं पाते हैं। ज्ञान अर्जित महानुभावों का कहना है कि प्रत्येक मनुष्य में ज्ञान होता है किन्तु अज्ञान उसे आच्छादित किये रहता है। उस अज्ञान के हटने पर ही मनुष्य को ज्ञान की अनुभूति होती है और अज्ञान तभी हटता है जब मनुष्य का अंतःकरण पूर्णतः शुद्ध हो। ब्रम्हज्ञान पाने का अधिकारी केवल वही साधक है जिसका अंतःकरण शुद्ध होगा। सहज योग ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे नाड़ियों व चक्रों की शुद्धता होती है भय, अहंकार और क्रोध को त्यागकर ही हम पूर्णतः शुद्ध हो सकते हैं। चक्रों में पहले चक्र मूलाधार चक्र पर ध्यान करके हम सत्सत् विवेक व बोध प्राप्त करते हैं जिससे हमें अपने स्व को पहचानने का अवसर मिलता है। ध्यान के दौरान कुंडलिनी शक्ति सभी चक्रों को प्रकाशित करते हुये जब सहस्त्रार का भेदन करती है, ज्ञान चक्षु खुल जाते हैं। इस ज्ञान चक्षु से हम ईश्वरीय चेतना से अभिभूत होते हैं और सत्य व यथार्थ की अनुभूति होती है। ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने से बढ़कर कोई और ज्ञान नहीं है। हमारे अंदर व्याप्त अंधकार छंटने लगता है और हम अपने को और दूसरों को भी सही प्रकार से देख पाते हैं। योग के अनेक प्रकार हैं। परंतु, सहज योग से कम समय में तथा सांसारिक जीवन में रहते हुए आत्मसाक्षात्कार पाना संभव होता है। एक शुद्ध इच्छा लेकर सहज योग से जुड़े। सहज योग के सेंटर्स पर नये साधकों का हम हृदय से स्वागत करते हैं। सहज योग के बारे में जानने हेतु हमारा टोल फ्री नंबर है 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

श्रद्धांजलि विशेष

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री नरेंद्र सिंह सलूजा जी के आकस्मिक निधन से सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में शोक की लहर है

हार्ट अटैक से उनका निधन कल बुधवार इंदौर में हुआ

रंजीत टाइम्स

राजनीतिक जीवन

नरेंद्र सिंह सलूजा जी लंबे समय से मध्यप्रदेश भाजपा के साथ जुड़े रहे। वे पार्टी के मुखर प्रवक्ता और ज़मीनी नेता के रूप में जाने जाते थे। अपने सटीक वक्तव्यों, विनम्र व्यक्तित्व और प्रखर राष्ट्रवाद के कारण उन्होंने सभी दलों में सम्मान अर्जित किया।

जनसेवा और सामाजिक योगदान

सलूजा जी ने हमेशा जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने का कार्य किया। वे मीडिया और आम नागरिकों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करते थे। उन्होंने कई सामाजिक अभियानों और राहत कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। मूल्य आधारित राजनीति के प्रतीक उनकी राजनीति विवेक, संवाद और विनम्रता पर आधारित थी। वे न केवल पार्टी के लिए बल्कि राज्य के लिए एक मार्गदर्शक स्तंभ थे। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

रणजीत टाइम्स परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

"आपकी कमी हमेशा खलेगी सलूजा जी..."

कष्टों का आध्यात्मिक हल

सत्य की ओर एक गहन यात्रा है

कष्टों का आध्यात्मिक हल सत्य की ओर एक गहरी यात्रा है, जो हमें अपनी आंतरिक शक्ति और शांति खोजने में मदद करता है। इस आध्यात्मिक यात्रा में जीवन के दुखों को स्वीकार करना और उनसे सीख लेना, साथ ही जीवन में सकारात्मकता और आशा बनाए रखना शामिल है। हम सब ईश्वर के अंश हैं इस बात का बोध होना बहुत आवश्यक है। इसका बोध मात्र विश्वास करने से नहीं होता बल्कि उस अनुभूति को पाने से होता है जो सहज योग ध्यान से जुड़ने के बाद चैतन्य रुप में हमारे हाथों से प्रवाहित होता है। अपनी आत्मा को जानना और परमात्मा से जुड़ना एक महत्वपूर्ण कदम है। ध्यान योग की साधना जैसे अभ्यास इस दिशा में हमारी मदद करते हैं। ईश्वर अपनी हर कृति के अंदर अपनी छाप छोड़ता है। इंसान ईश्वर की सबसे सुंदर कृति है और ईश्वर की छाप है हमारे अंदर, हमारे रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में स्थित कुंडलिनी शक्ति। इस शक्ति के जागरण हेतु सालों तक साधक हठ योग व कठिन तपस्या करते हैं। परंतु परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने सहज योग

के माध्यम से बड़ी सरलता से कुंडलिनी शक्ति को जागृत करने की विधि बताई है। सहज योग में सामुहिक ध्यान धारणा का विशेष महत्व है क्योंकि सहज योग माध्यम से एक साथ हजारों लोगों को एक साथ आत्मसाक्षात्कार दिया जा सकता है। आज हमारी परम पूज्य श्री माताजी साकार रूप में हमारे साथ नहीं है, पर उनकी बताई गई विधि से ध्यान धारणा द्वारा लाखों साधक इतने परिपक्व हो गये हैं कि वे माँ के एक इन्सट्रुमेंट बन हजारों लोगों को एक साथ आत्मसाक्षात्कार दे सकते हैं।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होते ही हमारी मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक स्थिति में बदलाव आ जाता है। इस आंतरिक परिवर्तन से हम वर्तमान में जीना सीख लेते हैं और पूर्व की घटनायें हम पर हावी नहीं होती। फलस्वरूप हमारा चित्त कष्ट पर नहीं होता बल्कि हम हमारे सामने आई समस्या का हल ढूंढने को प्रयासरत हो जाते हैं। यह स्थिति ही जीवन जीने की कला है। 28 अप्रैल 1991 के अपने एक प्रवचन में परमपूज्य श्री माताजी सहज योग के माध्यम से आनंद प्राप्त करने के संबंध में यह कहते हैं कि, "जब आप पूर्ण श्रद्धा और विवेक के साथ अपना हाथ गुरु के हाथ में सौंप देते हैं, तब आप स्वयं कुछ नहीं करते। आप केवल साक्षी भाव से सबको देखते हैं, सबको अनुभव करते हैं, और भीतर गहन आनंद का अनुभव करते हैं। चाहे आप क्रियाशील रहें या न रहें, इसका कोई विशेष महत्व नहीं, क्योंकि आपकी स्थिति पूरी तरह आनंद में स्थित हो जाती है। यही वह अवस्था है जिसे हमें प्राप्त करना है — और जो हमारे वास्तविक अस्तित्व का सहज स्वभाव बन जाना चाहिए।"

सहज योग को गहनता से समझने,जुड़ने और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने से मचा हड़कंप, बसपा ने लगाया आरएसएस पर आरोप, अल्टीमेटम देकर किया चक्काजाम

अशोकनगर। डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अपमान से आक्रोश फैल गया है। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत विदिशा रोड स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की प्रतिमा पर किसी अज्ञात शरारती तत्व ने कालिख पोत दी, जिससे जिलेभर में तनाव का माहौल बन गया। इस घटना के बाद बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आक्रोशित होकर विदिशा रोड पर जाम लगा दिया और प्रतिमा के साथ हुई इस शर्मनाक हरकत को एक सोची-समझी साजिश करार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बसपा कार्यकर्ताओं और नेताओं का गुस्सा शांत नहीं हुआ। टीआई मनीष शर्मा जब मौके पर पहुंचे, तब बसपा नेताओं के साथ उनकी तीखी बहस भी हुई। लगभग एक घंटे तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत का दौर चला, लेकिन जब तक कार्रवाई की ठोस गारंटी नहीं मिली, तब तक प्रदर्शनकारी नहीं हटे। अंततः बसपा कार्यकर्ता देर रात तक अंबेडकर पार्क में बैठकर धरने पर डटे रहे। बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता बाबूलाल दैलबार ने इस घटना के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमा के साथ ऐसा दुस्साहस बिना किसी गहरी साजिश के संभव नहीं है, और इस साजिश में आरएसएस का हाथ है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम दिया कि 24 घंटे के भीतर उपद्रवी को गिरफ्तार किया जाए, अन्यथा आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

इस बीच पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से एसडीएम ब्रिज बिहारी श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को जल्द से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक दोषी की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब देशभर में बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों को लेकर जनचेतना का माहौल है और समाज में उनके योगदान को लेकर नई पीढ़ी में गहरी श्रद्धा है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं केवल सामाजिक तनाव को बढ़ावा देती हैं, बल्कि यह भी दर्शाती हैं कि कुछ ताकतें आज भी समाज को बांटने का प्रयास कर रही हैं। इस घटना ने ना केवल राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि आम लोगों में भी गहरी नाराजगी पैदा की है।

उमा भारती ने नर्मदा नदी पर क्रूज परियोजना का किया विरोध, कहा 'मुख्यमंत्री से बात करूंगी'

भोपाल। बीजेपी की फायरब्रांड नेता उमा भारती ने नर्मदा नदी में प्रस्तावित क्रूज परियोजना पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्क' पर एक पोस्ट में कहा कि नर्मदा नदी में क्रूजिंग की योजना से नदी की पवित्रता को ठेस पहुंच सकती है। इसी के साथ उन्होंने कहा कि वो इस बारे में मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करेंगीं। उमा भारती ने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्होंने एक समाचार पत्र में नर्मदा नदी में महेश्वर, बड़वानी आदि स्थानों पर क्रूजिंग शुरू करने की खबर पढ़ी, जिसके लिए टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले भी इस तरह का प्रस्ताव आया था, जिसे रोक दिया गया था। लेकिन अब अगर फिर इसे शुरु किया जाता है तो वे इसका विरोध करेंगीं।

उमा भारती ने नर्मदा नदी पर क्रूज परियोजना का विरोध किया: वरिष्ठ बीजेपी नेता उमा भारती ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि आज मैंने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र में नर्मदा जी में क्रूजिंग की बात पढ़ी है जो महेश्वर, बडवानी इत्यादि जगहों पर होगी। उन्होंने लिखा कि 'इसकी टेंडर होने की प्रक्रिया हो गई है। तीन साल पहले भी जब यह बात आई थी तब रोक दी गई थी। नर्मदा जी के दोनों ओर परिक्रमा मार्ग है, नर्मदा जी की परिक्रमा होती है। क्रूजिंग में खाने-पीने इत्यादि की सब प्रकार की गतिविधियां होंगी। गंगा जी में बंगाल से लेकर प्रयाग तक सदियों से यातायात हुआ है किंतु नर्मदा जी में कभी क्रूजिंग हुई हो इसकी जानकारी मुझे नहीं है। नर्मदा जी तो परिक्रमा की नदी हैं, उनकी परिक्रमा होती है, उनके तट पर निवास होता है किंतु नर्मदा जी की धारा की पवित्रता से छेड़खानी नहीं हो सकती। मैं इसके बारे में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से बात करूंगी'

एमपी और गुजरात सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना: बता दें कि नर्मदा नदी पर क्रूज़ योजना मध्यप्रदेश और गुजरात सरकारों द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित महत्वाकांक्षी परियोजना है। यह योजना मध्यप्रदेश के सरदार सरोवर बांध के मेघनाद घाट से गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक 135 किलोमीटर के जलमार्ग पर क्रूज़ संचालित करने की है। कुछ समय पहले मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा इस परियोजना के लिए निविदाएं भी जारी की जा चुकी हैं। इस योजनांतर्गत बड़वानी, अंजड़ और धरमपुरी में छोटे स्टेशन बनाने की योजना है, जो मुख्य स्टेशन मेघनाद घाट से जुड़ेंगे। साथ ही, नर्मदा नदी के किनारे रिसॉर्ट्स के निर्माण की तैयारी भी चल रही है जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मध्यप्रदेश और गुजरात सरकारें इस परियोजना में संयुक्त रूप से दो-दो क्रूज़ संचालित करने की योजना बना रही हैं। लेकिन अब उमा भारती ने इसपर कड़ा ऐतराज जताया है और कहा है कि वे इसे लेकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से बात करेंगीं।

लोन का झांसा देकर ठगों ने युवक को बनाया साइबर क्राइम का मोहरा, दो राज्यों की पुलिस से नोटिस मिलते ही खुला 46 लाख की ठगी का राज

शहडोल। जिले से एक चौंकाने वाला साइबर फ्रॉड सामने आया है, जिसने न केवल पीड़ित को बल्कि पुलिस को भी हैरान कर दिया है। इस मामले में एक साधारण फोटोग्राफर के नाम पर लाखों रुपए का लेन-देन चल रहा था और उसे इसकी जरा भी भनक नहीं थी। यह खुलासा तब हुआ जब दो अलग-अलग राज्यों की पुलिस की ओर से उसे नोटिस मिले, जिनमें उसके बैंक अकाउंट से जुड़े लेन-देन की जांच की बात कही गई थी। जैसे ही शख्स ने नोटिस देखा, उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।

उसे समझ ही नहीं आया कि आखिर उसके साथ क्या हो रहा है। लेकिन जब उसने पुलिस से संपर्क किया, तब पूरे धोखाधड़ी की परतें खुलनी शुरू हुईं और सामने आया कि वह किसी संगठित साइबर गैंग का शिकार हो चुका है। पूरा मामला शहडोल जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र का है, जहां पेशे से फोटोग्राफर राम दयाल बर्मन को खुद को बैंककर्मी बताने वाले दो लोगों ने लोन दिलवाने का झांसा दिया। इनमें से एक आरोपी का नाम दीपक शर्मा है, जो राजेन्द्रा खैरहा का रहने वाला है, जबकि दूसरा आरोपी शशांक तिवारी बुढार क्षेत्र का निवासी है। इन दोनों ने राम दयाल को भरोसे में लेकर अनूपपुर के एक बैंक में नया खाता खुलवाया। लेकिन इस प्रक्रिया में उन्होंने बड़ी साजिश रची। खाता खुलवाने के बाद पीड़ित के सारे जरूरी दस्तावेज – चेकबुक, पासबुक, एटीएम कार्ड, और यहां तक कि ओटीपी भी – आरोपियों ने अपने पास रख लिए।

इसके बाद शुरू हुआ जालसाजी का असली खेल। उन दस्तावेजों और खाते का इस्तेमाल करके ठगों ने साइबर फ्रॉड को अंजाम देना शुरू किया और राम दयाल के नाम पर लाखों का लेन-देन किया जाने लगा। राम दयाल को इस धोखाधड़ी की जानकारी तब मिली जब एक दिन अचानक हिमाचल प्रदेश की साइबर क्राइम ब्रांच और बेंगलुरु नॉर्थ डिवीजन क्राइम ब्रांच से नोटिस उसके पास पहुंचे। नोटिस में लिखा था कि उसके बैंक अकाउंट से 46 लाख 3 हजार रुपये की लेन-देन की जानकारी मिली है और उस पर जांच की जा रही है।

ग्वालियर के वेयरहाउस में बड़ा हादसा

बोरियों के नीचे दबे सात मजदूर, एक की मौत, चार आईसीयू में भर्ती

ग्वालियर। डबरा में भितरवार रोड स्थित अग्रवाल वेयरहाउस में एक बड़ा हादसा हुआ है। गेहूं की बोरियों का स्टैक असंतुलित होकर मजदूरों पर गिर गया। हादसे में सात मजदूर बोरियों में दब गए। घटना में एक श्रमिक की मौत हो गई। चार घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। घटना के समय वेयरहाउस में लगभग 40 मजदूर गेहूं की बोरियों का स्टैक लगा रहे थे। करीब 20 फीट की ऊंचाई से बोरियां गिरने से यह हादसा हुआ। सभी घायलों को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया। हादसे में 60 वर्षीय केशव प्रजापति की मौत हो गई। वे केशव पठा के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही एसडीएम दिव्यांशु चौधरी मौके पर पहुंचे और घायल मजदूरों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। देहात थाना पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में डबरा एसडीओपी जितेंद्र नगाइच का कहना है कि वेयर हाउस में हादसा हुआ है। आधा दर्जन घायल हैं। शव का पीएम कराया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

एमपी और राजस्थान के बीच बनेगा 17000 वर्ग किमी का चीता कॉरिडोर, प्रदेश के सात जिलों से होकर गुजरेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश के कूनों से शुरू हुआ प्रोजेक्ट चीता अब राजस्थान तक फैलेगा। दोनों राज्यों के बीच चीता कॉरिडोर बनाने पर सहमति बन रही है। यह कॉरिडोर 17 हजार वर्ग किमी लंबा होगा। इस कॉरिडोर में चीते खुले में घूम सकेंगे। मंगलवार को जयपुर आए एमपी सीएम मोहन यादव ने कहा कि चीता प्रोजेक्ट पर एमपी अच्छा काम कर रहा है। लेकिन अब राजस्थान के साथ जुड़कर इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जाएगा। सीएम मोहन ने बताया कि मध्यप्रदेश ने दो चीता अभयारण्य शुरू किए हैं।

अक्षय तृतीया पर कन्याओं के जीवन में नई शुरुआत

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत प्रदेशभर में सैकड़ों जोड़े हुए परिणय सूत्र में बंधनबद्ध

भोपाल। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत प्रदेशव्यापी सामूहिक विवाह समारोहों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों बेटियां ससम्मान विवाह बंधन में बंधीं। इस पुण्य आयोजन की गरिमा और महत्व को और भी बढ़ाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन से आयोजित मुख्य समारोह में भाग लिया और साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों में संपन्न हुए विवाह समारोहों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने नवविवाहित जोड़ों को शुभाशीर्वाद देते हुए उनके सुखी, समृद्ध और सौहार्दपूर्ण वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस विशेष दिन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि अक्षय तृतीया का अर्थ ही होता है ङ्क ऐसा दिन जिस पर जो कुछ भी प्राप्त होता है, उसका कभी क्षय नहीं होता। उन्होंने इस पर्व को शुभ और जीवन में स्थायी मंगल देने वाला दिन बताया। उन्होंने जानकारी दी कि इस शुभ अवसर पर प्रदेश के अनेक जिलों में कन्याएं वैवाहिक सूत्र में बंधी हैं। छिंदवाड़ा जिले में 929, पन्ना में 915, आनंदधाम शिवपुरी में 80, इंदौर में 121, धार जिले के पंधानिया में 80 और हरदा जिले के ग्राम नयागांव में 80 कन्याओं का विवाह विधिवत रूप से संपन्न कराया गया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष बल दिया कि यह आयोजन केवल विवाह नहीं है, बल्कि बेटियों को सम्मान, सुरक्षा और स्थायित्व प्रदान करने की दिशा में राज्य सरकार की गंभीर और संवेदनशील पहल का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह

केवल एक सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का एक पवित्र संस्कार है, जो जीवन को संतुलन, अनुशासन और उद्देश्य प्रदान करता है। उन्होंने याद दिलाया कि भारतीय जीवन प्रणाली में सोलह संस्कारों का महत्व बताया गया है और विवाह उनमें एक प्रमुख चरण है। जीवन के इस नए पड़ाव पर नवविवाहित जोड़ों को यह सीखना होगा कि पारिवारिक जीवन में सुख-दुख दोनों आते हैं, लेकिन परिवार की मर्यादा को बनाए रखना ही जीवन की सबसे बड़ी सफलता होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान डिजिटल युग की चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए नवदम्पत्तियों को परस्पर समन्वय, एकाग्रता और संवाद बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस दौर में रिश्तों में दरारें उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए पति-पत्नी दोनों को जिम्मेदारी और समझदारी से संबंध निभाने चाहिएं ताकि विवाह की नींव मजबूत बनी रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सामूहिक विवाह समारोह समाज में एक नई सोच और व्यावहारिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं, जहां विवाह से जुड़े अनावश्यक खर्चों और दिखावे से मुक्ति मिलती है। सरकार का उद्देश्य केवल विवाह कराना नहीं है, बल्कि एक स्वाभिमानी जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सहयोग देना भी है। उन्होंने सभी नवदम्पत्तियों को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि अब समय है जब नवदंपती स्वावलंबी, आत्मनिर्भर और सशक्त जीवन की ओर कदम बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार ने बहन-बेटियों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए 27 हजार 100 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश का यह मॉडल आज देश के कई अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा बन चुका है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सरकार औद्योगिक विकास के साथ-साथ महिला स्व-सहायता समूहों को सक्रिय सहयोग देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है, जिससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, बल्कि कृषकों की आय में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर प्रदेशभर में उल्लास और मंगलमय वातावरण देखा गया।

कैसे बनाएं फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर?

फिल्म में करियर बनाने का सपना कई लोगों का होता है। अगर आप भी फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बनाना चाहती हैं तो इसके लिए जरूरी है कि आपको कुछ जानकारी जरूर होनी चाहिए।

कई लोगों का फिल्म देखना पसंद होता है तो वहीं कुछ लोग यह चाहते हैं कि वह भी फिल्म इंडस्ट्री में अपना करियर बना पाएं। आप आसानी से इस ग्लैमर्स इंडस्ट्री में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको यह डिसाइड करना चाहिए कि आप फिल्म इंडस्ट्री में किस फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इसके बाद आप धीरे-धीरे उस फील्ड में काम को सीख कर अपना करियर बना सकती हैं।

इन कोर्स में करें अप्लाई

- एक्टिंग कोर्स
- फिल्म निर्देशक कोर्स
- फिल्म प्रोडक्शन कोर्स
- सॉउंड रिकॉर्डिंग एंड इंजीनियरिंग
- वीडियो प्रोडक्शन
- विजुअल कम्युनिकेशन
- सिनेमेटोग्राफी
- लाइटनिंग एंड कैमरा
- वॉइस ओवर आर्टिस्ट

कला निर्देशन/सेट डिजाइनिंग

आप जिस भी फील्ड में कोर्स करती हैं उसमें आपको के विषय बारे में बेहतर तरह से बताया जाता है और आप कोर्स करने के बाद किसी टीवी शो या फिर फिल्म में इंटर्नशिप कर सकती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में हर कोर्स की फीस अलग-अलग होती है। आपको बता दें कि यह फीस लगभग 80,000 रुपये से लेकर 1, 50,000 रुपये प्रतिवर्ष तक होती है। इन पाठ्यक्रमों की समय अवधि 6 माह से दो वर्ष तक की होती है।

किस कॉलेज से करें पढ़ाई?

अगर आप इन कोर्स को करना चाहते हैं तो आप इन कॉलेज में अप्लाई कर सकती हैं।

- फिल्म इंस्टीट्यूट, पुणे
- नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, नई दिल्ली
- सत्यजीत रे फिल्म इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- दिल्ली फिल्म इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा
- सुभाष घई की व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल
- अनुपम खेर की एक्टर प्रिपेयर्स इंस्टीट्यूट

इनके अलावा भी तमाम तरह के कोर्स फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए संचालित किए जाते हैं। आपको जिस भी सेक्टर में रुचि हो उसमें एडमिशन ले सकती हैं। अगर इंटर्नशिप के दौरान आपने अच्छा परफॉर्म करती हैं तो आपको इस दौरान जॉब ऑफर हो सकती है।

अगर एक्टिंग में है इंटरेस्ट

अगर आप फिल्मों में अभिनय करना चाहती हैं तो आपको एक्टिंग कोर्स पूरा करना होगा। इस कोर्स को अगर आप किसी अच्छे कॉलेज से करती हैं तो वह आपके लिए ज्यादा बेहतर होगा क्योंकि वहां पर आप प्रैक्टिकली चीजों को समझ पाएंगी और अच्छे कॉलेज या फिल्म इंस्टीट्यूट में आपको फिल्में या शो भी ऑफर किए जाते हैं। जिसमें आप काम कर सकती हैं और अपनी एक्टिंग की स्किल्स को बेहतर बना सकती हैं। इस फील्ड में आपके पास जितना ज्यादा एक्सपीरियंस होगा आपका करियर उतना बेहतर होने की संभावना होती है।

गेमिंग इंडस्ट्री में नौकरी के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। ऐसे में आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं।

आजकल के युवा अपने कॅरियर को लेकर काफी परेशान रहते हैं। लेकिन बता दें कि इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा भी कई ऐसे कोर्सेज हैं, जिनको करने के बाद आप अपने कॅरियर को नई उड़ान दे सकते हैं। साथ ही इन कोर्स को करने में कम पैसा खर्चा होता है। साथ ही इन कोर्स को करने के बाद आप जॉब के अलावा अपना खुद का बिजनेस भी शुरूकर सकते हैं। आपको बता दें कि समय के साथ ही कोर्सेज और नौकरी के अवसरों में काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे में आप गेमिंग इंडस्ट्री में भी अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं। आज के दौर में न सिर्फ बच्चे बल्कि बड़े लोगों के बीच भी गेम खेलने का शौक देखने को मिलता है। इस दौर में हर कोई ऑनलाइन गेम खेलना पसंद करता है। जिसके कारण यह फील्ड अरबों डॉलर का हो गया है। ऐसे में अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जो रोजाना कई घंटे गेम खेलते हुए अपना समय कंप्यूटर या मोबाइल पर बिताते हैं। ऐसे में आप भी इस फील्ड में कॅरियर बनाकर अच्छी सैलरी उठा सकते हैं। आपको बता दें कि आप 12वीं के बाद एनीमेशन, गेम राइटर, गेम डिजाइनिंग या गेम डेवलपर कोर्स कर सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी इस फील्ड में जाना चाहते हैं। तो आप किसी भी यूनिवर्सिटी या संस्थान से गेमिंग में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और स्नातक की डिग्री का कोर्स कर सकते हैं।

यहां हैं जॉब ऑप्शन

हांलाकि अब गेमिंग इंडस्ट्री में कॅरियर बनाना काफी आसान हो गया है। ऐसे में आप भी ऊपर बताए गए कोर्स को करने के बाद इस फील्ड में अपना भविष्य बना सकते हैं। इस फील्ड में आप गेम डिजाइनर, एनिमेटर, ऑडियो प्रोग्रामर, ग्राफिक प्रोग्रामर, गेम प्रोड्यूसर, स्पोर्टस प्रोफेशनल्स, मैनेजर्स, कास्टर्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसस बन सकते हैं। इसके अलावा आजकल मॉल्स आदि में भी गेम जोन बने होते हैं। जिनसे अच्छी खासी कमाई की जा सकती है।

कोर्स

- बीए (ऑनर्स) कंप्यूटर गेम्स डिजाइन
- बीएससी इन एनीमेशन एवं गेमिंग
- यूआइ/यूएक्स डिजाइनिंग
- बीएससी इन गेमिंग
- बीएससी इन एनिमेशन गेम डिज़ाइन

स्वछता अभियान में नवाचार - कचरा उठाने के लिए शुरू हुई नीली इलेक्ट्रिक हल्ला गाडियों की शुरुआत, 100 नई गाडियां आईं, नगर निगम का पर्यावरणीय कदम

इंदौर। शहर में नगर निगम ने कचरा उठाने के पुराने तरीके को बदलते हुए एक बड़ी पहल की है। अब तक शहर के कई इलाकों में कचरा समेटने के लिए पीली डीजल वाली हल्ला गाडियां दौड़ती रही हैं, लेकिन अब नगर निगम ने कचरा उठाने के लिए 100 नई इलेक्ट्रिक गाडियों को अपने बेड़े में शामिल किया है, जो पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल हैं। इन गाडियों की कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये है और इन्हें आज सुबह नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, एमआईसी मेंबर राजेंद्र राठौर और कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में राजबाड़ा चौक पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूजन किया गया। नगर निगम द्वारा इस पहल के तहत पुरानी डीजल गाडियों को हटाकर उनकी जगह 100 इलेक्ट्रिक हल्ला गाडियां खरीदी गई हैं, जो अब कचरा उठाने के कार्य में लगाई जाएंगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, इन गाडियों का उपयोग शहर के सभी झोनों में कचरा उठाने के लिए किया जाएगा, ताकि कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया को और प्रभावी और

पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित बनाया जा सके। यह कदम नगर निगम के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसमें वे पुराने डीजल वाहनों को हटाकर उनकी जगह सौर ऊर्जा से चलने वाले और इलेक्ट्रिक वाहनों को शहर में लाने की योजना पर काम कर रहे हैं। नगर निगम का यह कदम न केवल कचरा उठाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाएगा, बल्कि इसके माध्यम से शहर में प्रदूषण कम करने में भी मदद मिलेगी। इन इलेक्ट्रिक गाडियों का उपयोग शहर के विभिन्न वार्डों में किया जाएगा, जहां अब तक पीली डीजल वाली गाडियां कचरा उठाने का काम कर रही थीं। निगम का मानना है कि इन इलेक्ट्रिक गाडियों से न केवल कचरा उठाने की गति बढ़ेगी, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। इस पहल का शुभारंभ नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के जन्मदिन के अवसर पर किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा के नेता और व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी विजयवर्गीय को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उपस्थित थे। इस अवसर पर विजयवर्गीय ने सबसे पहले मां अहिल्या के चरणों में नमन किया और उसके बाद अपने समक्ष मौजूद बधाई देने वालों का आभार व्यक्त किया। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस अवसर पर कहा कि यह कदम इंदौर को और अधिक स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा की जा रही यह पहल न केवल कचरा उठाने में सुधार लाएगी, बल्कि यह पूरे शहर को पर्यावरणीय दृष्टि से एक नई दिशा में ले जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम के प्रयासों से इंदौर देश के सबसे स्वच्छ शहरों में से एक बनेगा और यह पहल अन्य शहरों के लिए एक मॉडल साबित होगी।

इंदौर को मिलेगा 'भारत वन' - शहर के मध्य विकसित होगा 100% हरित क्षेत्र

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने वरिष्ठ नागरिकों, पर्यावरणविदों और अधिकारियों के साथ किया स्थल निरीक्षण

इंदौर। शहर के हरित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने वरिष्ठ नागरिकों, पर्यावरणविदों, नगर निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ प्रस्तावित 'भारत वन स्थल' का निरीक्षण किया। यह वन करीब 36 एकड़ क्षेत्र में फैले पुराने मैदान पर विकसित किया जाएगा, जो शत-प्रतिशत हरित क्षेत्र (ग्रीनरी) पर आधारित होगा। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त शिवम वर्मा, एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर, अभिषेक शर्मा, बबलू, पर्यावरणविद भालू मोंडे, अभिलाष खांडेकर सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

महापौर भार्गव ने कहा हमारी योजना थी कि शहर के मध्य एक ऐसा वन तैयार किया जाए जो शुद्ध पर्यावरण के साथ-साथ इंदौर के लिए 'लंग्स' का कार्य करे। आज हमने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर सुझाव लिए हैं और सभी की सहमति है कि इस क्षेत्र को पूरी तरह हरित क्षेत्र में बदला जाएगा।

साथ ही यहां एक बड़ा तालाब भी निर्मित किया जाएगा।

इस भारत वन में देश के विभिन्न राज्यों की जैव विविधता, फ्लोरा-फौना को सम्मिलित किया जाएगा। वहां के पक्षी निवास स्थानों (बर्ड हैबिटेट्स) को ध्यान में रखकर विकास कार्य होंगे। यह परियोजना न केवल पर्यावरण को सशक्त करेगी, बल्कि आसपास के जलस्तर को भी बढ़ाने में सहायक होगी। महापौर ने इस पहल को इंदौर के लिए एक बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि भारत वन आने वाले वर्षों में शहरवासियों के लिए एक शुद्ध श्वास-स्थल और प्राकृतिक आकर्षण का केंद्र बनेगा।

पुलिस की अनोखी पहल- पत्थरबाजों को सुधारने के लिए थाने में दी कलम-कॉपी, 11 घंटे तक भरवाए गए डोजियर फॉर्म

इंदौर। पुलिस ने अपराधियों के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए ऐसा तरीका अपनाया है, जो न केवल कानूनी दायरे में आता है बल्कि अपराधियों को आत्मचिंतन के लिए भी मजबूर करता है। हाल ही में शहर के एरोड्रम थाना क्षेत्र के छोटा बांगदा इलाके में हुई पथराव की घटना के बाद, जब आरोपियों को थाने बुलाया गया, तो उनके लिए न डंडे चले, न हवालात में डाला गया, बल्कि उन्हें सजा के रूप में कॉपी और पेन देकर सुधार की राह पर लाने की अनूठी कोशिश की गई। पुलिस ने उन्हें थाने में बैठाकर डोजियर फॉर्म भरवाने का आदेश दिया, जिसमें उनका पूरा व्यक्तिगत, सामाजिक और डिजिटल विवरण भरवाया गया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर यह अनूठा प्रयोग किया गया, जिसमें पत्थरबाजों को 11 घंटे तक थाने में बैठाकर तीन-तीन प्रतियों में फॉर्म भरवाए गए। इस दौरान यदि किसी फॉर्म में एक भी गलती पाई गई, तो उसे दोबारा शुरू से भरवाया गया। डोजियर फॉर्म में आरोपी का नाम, पता, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट, बैंक डिटेल्स और अन्य आवश्यक जानकारी शामिल की गई, ताकि उनके सामाजिक और आर्थिक पहलुओं का विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जा सके। इस कवायद का उद्देश्य केवल रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि आरोपियों को यह एहसास कराना था कि उनके हर कदम की निगरानी हो रही है और यदि वे दोबारा किसी अपराध में लिप्त पाए गए तो उनके बैंक खातों तक को सील कर दिया जाएगा। इंदौर पुलिस की यह पहल केवल सजा देने तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह एक सुधारात्मक प्रयास के रूप में सामने आई है। इसका मूल उद्देश्य यह संदेश देना है कि अपराध से कुछ हासिल नहीं होता, बल्कि यह जीवन को और अधिक कठिन बना देता है। जब आरोपी खुद अपने हाथों से अपना आपराधिक इतिहास और निजी विवरण भरते हैं, तो उन्हें यह महसूस होता है कि उनका हर कदम दर्ज हो रहा है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पुलिस की यह रणनीति डर और सुधार के संतुलन के रूप में देखी जा रही है, जहां व्यक्ति को उसके कर्मों का लेखा-जोखा खुद के हाथों से लिखवाकर उसे आत्मविश्लेषण की ओर प्रवृत्त किया जा रहा है। डोजियर फॉर्म, जिसे अपराधियों का व्यक्तिगत दस्तावेज माना जाता है, एक ऐसा साधन है जिसमें किसी व्यक्ति विशेष के जीवन, गतिविधियों और संपर्कों की विस्तृत जानकारी रखी जाती है। इससे न केवल अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है।

दिनभर चिलचिलाती धूप के बाद शाम को तेज़ आंधी, कई पड़े धराशायी तो कई टीनशेड उड़े

इंदौर। इंदौर में मंगलवार को अप्रैल महीने की अब तक की सबसे भीषण गर्मी दर्ज की गई। दिन का तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। बुधवार को पारा थोड़ा संभला और एक डिग्री कम होकर 41.6 पर आकर ठहर गया। यह सामान्य से अभी भी एक डिग्री अधिक है। शाम को आंधी और तेज हवाओं ने मौसम में ठंडक घोल दी और लोगों को राहत मिली। रात का पारा .7 डिग्री उछलकर 26.3 पर आ गया। इससे पहले दिन में तेज धूप और तपन के चलते दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम हो गई थी। लोग घरों में दुबके रहे क्योंकि धूप में एक मिनट भी खड़ा रह पाना मुश्किल हो रहा था। मंगलवार का दिन पिछले पांच सालों का भी सबसे गर्म दिन बन गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक ऐसी ही भीषण गर्मी बने रहने की संभावना जताई है।

गिरे पेड़, टूटे शेड

शाम को 6 बजे चली तेज आंधी ने शहर में कई जगह पेड़ गिरा दिए। कई घरों के शेड भी टूट गए और सड़कों किनारे लगने वाली झुग्गियों में भी नुकसान हुआ। आधे से अधिक शहर में बिजली एक घंटे से भी अधिक समय तक नहीं रही।

पिछले दस वर्षों में केवल चार बार पार हुआ 42 डिग्री का आंकड़ा : पिछले दस वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 29 अप्रैल 2019 को इंदौर में अब तक का सबसे अधिक तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बीते दशक में केवल चार बार तापमान 42 डिग्री के पार गया है। पिछले पांच वर्षों में भी इस बार का तापमान सबसे ज्यादा रहा। 18 अप्रैल 2024 को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री था, जबकि मंगलवार को यह रिकॉर्ड टूट गया। मंगलवार की रात का तापमान भी सामान्य से 3 डिग्री अधिक, यानी 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिली।

मौसम वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान-लू का खतरा बरकरार: मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि बीते कुछ दिनों से प्रदेश के कुछ इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के कारण बारिश हो रही है। हालांकि इंदौर संभाग पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। यहां गर्मी का दौर जारी है और अगले दो दिन भी हालात ऐसे ही बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेताया है कि राजस्थान और गुजरात से सटे जिलों में हीट वेव यानी लू चलने के आसार हैं, जिससे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है।

2 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने के आसार : डॉ. सुरेंद्रन के अनुसार, 2 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो सकता है, जिसका असर प्रदेश के कुछ इलाकों में अगले तीन दिनों तक देखने को मिल सकता है। इसके चलते कुछ जिलों में तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है या बादलों की आवाजाही के चलते राहत महसूस हो सकती है।

दिल्ली में कैसे बढ़ेगी स्कूलों की फीस, क्या-क्या लगाम

नईदिल्ली, एजेंसी। स्कूलों की मनमानी फीस बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए दिल्ली सरकार ने कैबिनेट बैठक में नए बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी। इस बिल के अनुसार, फीस वृद्धि से पहले अनुमति लेनी होगी। तीन स्तर पर कमेटी फीस बढ़ोतरी तय करेगी। मनमानी करने वाले स्कूलों पर 10 लाख रुपये तक जुर्माना लगेगा। यह बिल अगले सत्र में पेश किया जाएगा। दिल्ली सरकार मनमानी फीस बढ़ोतरी और इसे लेकर अभिभावकों-छात्रों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के खिलाफ सख्त कानून लाने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इससे जुड़े बिल ट्रांसपेरेंसीइन फिक्ससेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस 2025 के मसौदे को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि फीस तय करने में अभिभावकों की भी भूमिका होगी। शिक्षा मंत्री अशीष सूद ने बताया कि नए कानून के अनुसार तीन स्तर पर कमेटी फीस तय करेगी। पहली समिति स्कूल स्तर पर होगी। स्कूल प्रबंधन प्रतिनिधि की अध्यक्षता में गठित इस समिति में प्रधानाचार्य, तीन शिक्षक और पांच अभिभावक होंगे। यह कमेटी हर साल 31 जुलाई को गठित की जाएगी। कमेटी को 30 दिन में रिपोर्ट देनी होगी। समिति में फीस बढ़ोतरी पर सहमत नहीं है तो मामला जिला शुल्क अपील समिति के पास जाएगा। समिति में सीए, जोनल उपनिदेश, क्षेत्रीय लेखाधिकारी, शिक्षक और अभिभावक प्रतिनिधि होंगे। इस समिति को 45 दिन में रिपोर्ट देनी होगी। अगर यह समिति फीस नहीं तय कर पाती है तो शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में बनी इसमें शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, सीए, लेखा नियंत्रक, निजी स्कूल प्रतिनिधि और अभिभावक प्रतिनिधि होंगे। तीन वर्ष में एक बार रेटिंग से तय होगी बढ़ोतरी बिल में बताया गया है कि स्कूल फीस तय करने का आधार क्या होगा। मसलन स्कूल की पढ़ाई कैसी है। उनकी वित्तीय स्थिति क्या है। स्कूल में क्या सुविधाएं मिल रही हैं। परिणाम क्या आ रहे हैं, इन तथ्यों को आधार बनाया जाएगा। शिक्षा मंत्री अशीष सूद ने बताया कि एक बार तय फीस अगले तीन अकादमिक वर्षों तक लागू रहेगी। इससे अभिभावकों को राहत मिलेगी और अनिश्चितता कम होगी। राजधानी दिल्ली में मनमानी फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों पर दिल्ली सरकार कई तरह से नकेल कसने वाली है। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को कहा कि स्कूल अगर समितियों की ओर से तय फीस को नहीं मानते हैं तो उनपर एक से दस लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर स्कूल का लाइसेंस रद्द करने के साथ उसे टेकओवर भी किया जा सकता है। बच्चों के साथ फीस न देने पर किसी छात्र का नाम काटना, परिणाम रोकना, कक्षा या गतिविधियों से वंचित करना, सार्वजनिक रूप से अपमान करने पर स्कूल पर प्रति बच्चा 50 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान कानून में किया गया है।

तुम्हारे बुरे दिन शुरू हैं, अगर ये काम 24 घंटे में बंद नहीं किया...; रेखा के मंत्री ने किसे दी चेतावनी?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रेखा सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि नटवरलाल केजरीवाल जी इस पूरी दिल्ली में अव्यवस्था फैलाकर गए थे। उनके द्वारा फैलाई गंदगी को मैं एक-एक करके साफ करता जा रहा हूं। झुग्गियों में रहने वाले लोगों के लिए शौचालय बनाने की बात करते हुए इल्लीगल ढाबे वालों को चेतावनी दी है। सिरसा ने कहा कि तुम्हारे बुरे दिन शुरू हो गए हैं।

सिरसा ने कहा कि झुग्गियों में रह रहे लोग सम्मान से शौचालय जा सकें इसके लिए उन्हें आज नया शौचालय दिया है। इस इलाके में गैरकानूनी ढाबों को बंद करने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया था जिसमें 90त्न लोग इन्हें बंद करके चले गए। लेकिन, अभी भी जो लोग गैरकानूनी काम कर रहे हैं, कोई नशे का काम करता है, कोई शराब बेचता है, कोई सट्टा चलाता है। मैं इन लोगों को बताना चाहता हूं कि तुम्हारे बुरे दिन शुरू हैं।

मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि जितनी जल्दी इस धंधे को बंद करके अपने काम में आ जाओगे, बच जाओगे। अगर काबू में नहीं आओगे, तो बचने की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। सिरसा ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि इस देश में कानून के साथ रहना होगा। दिल्ली के अंदर कानून के साथ रहना होगा। 10 साल तुम लोगों ने बहुत बदमाशी कर ली। अब वो सब काम खत्म हो गया है। अगर तुम लोगों ने ये काम मेरे इलाके से 24 घंटे में बंद नहीं किया तो अपना हश्र देखना क्या होगा।

वीजा वाले भेजे गए पाकिस्तान, क्यों बची हुई है सीमा हैदर; कहां फंस रहा पेच

नईदिल्ली, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद सरकार ने पाकिस्तानियों का वीजा रद्द कर उन्हें वापस भेजने का आदेश दिया। यूपी समेत देशभर से अब तक सैकड़ों ऐसे लोगों को वापस पाकिस्तान भेजा जा चुका है। लेकिन भारत में अवैध रूप से आई सीमा हैदर की पाकिस्तान वापसी पर असमंजस बरकरार है। कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने सीमा हैदर को लेकर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया। विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) से सीमा हैदर के दस्तावेज सत्यापन संबंधी जवाब नहीं आए हैं। ऐसे में न्यायालय में अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक सीमा हैदर को लेकर कोई नया निर्देश फिलहाल नहीं आया है। सीमा हैदर के भारत में नागरिकता के लिए आवेदन करने और विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) दस्तावेज सत्यापन की रिपोर्ट नहीं मिलने से सीमा हैदर के खिलाफ कोई निर्णय नहीं हो सका है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीमा का मामला अलग तरीके का है और न्यायालय में विचाराधीन है। जैसा आदेश मिलेगा, आगे वैसा ही किया जाएगा। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को तय समय के भीतर वतन वापस भेजने का निर्णय लिया गया है। सैकड़ों पाकिस्तानी नागरिक लौट चुके हैं। इन सब में सीमा हैदर का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। सीमा की तरफ से कहा गया है कि वह भारत में ही रहना चाहती है, क्योंकि अब उसकी जिंदगी यहां बस चुकी है। वहीं, सीमा हैदर के वकील एपी सिंह का कहना है कि सीमा ने हिंदू धर्म अपनाकर सचिन मीणा से विवाह किया है।

दिल्ली पुलिस चेकिंग में दो बदमाश गिरफ्तार, चलती गाड़ी से कूदे नीचे; चोट लगने से एक की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने वाहनों की चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर ने रुकने की बजाय भागने की कोशिश की। जिसे थोड़ी दूर पीछा करके पकड़ लिया गया। पुलिस को बाइक सवार एक आरोपी के पास से देसी पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। बाइक को भी जब्त कर लिया गया। इसके बाद जब पुलिस उन्हें थाने ले जा रही थी तो दोनों चलती गाड़ी से कूद गए जिसमें उन्हें चोटे आईं। पुलिस ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। इस दौरान एक बदमाश की मौत हो गई।

घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे नियमित मोटरसाइकिल पेट्रोलिंग के दौरान, हेड कांस्टेबल बलबीर सिंह और कांस्टेबल नितेश ने मोटरसाइकिल (पंजीकरण संख्या ष्ठस्9स्क्क7699) पर सवार दो व्यक्तियों को संदिग्ध व्यवहार करते देखा। जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया, तो दोनों ने भागने की कोशिश की। लेकिन कुछ देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों की पहचान 28 साल के विकास उर्फ ??मजनू पुत्र महेश्वर मंडल निवासी समालका, नई दिल्ली और रवि साहनी उर्फ ??रवि कालिया, पुत्र सुशील दास साहनी निवासी समालका, नई दिल्ली उम्र 19 वर्ष के रूप में हुई है। व्यक्तिगत तलाशी लेने पर आरोपी विकास उर्फ ??मजनू के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया। यह चोरी की बाइक थी जिसे लेकर मोटर व्हीकल ऐक्ट की धारा 317(2) बीएनएस पीएस पालम गांव में चोरी का मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच की गई और उन्हें सरकारी वाहन में पीएस वसंत कुंज उत्तर के पुलिस लॉक-अप में ले जाया जा रहा था। ट्रांजिट के दौरान, वसंत कुंज उत्तर पुलिस स्टेशन के पास, दोनों धीमी गति से चल रहे वाहन से नीचे कूद गए और उन्हें चोटें आईं। उन्हें तुरंत आईजीआई अस्पताल ले जाया गया, जहां रवि साहनी उर्फ ??रवि कालिया को मृत घोषित कर दिया गया। मामले पर कानूनी प्रक्रिया (न्यायिक जांच) के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

संपादकीय

पहलगाम के बाद पाकिस्तानी साजिशें तेज

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। पहलगाम हमले के बाद जिस तरह भारत में आक्रोश है और सरकार पर कोई बड़ी कार्रवाई करने का जन-दबाव बन रहा है, उसे देखते हुए पाकिस्तान में घबराहट है। उसने घटना के बाद सीमा पर हवाई गश्ती और चौकियों पर सैनिक दस्ते बढ़ा दिए। हालांकि वह लगातार कह रहा है कि उस हमले में उसका कोई हाथ नहीं था, उसकी जांच की पेशकश भी कर रहा है, पर वहां की सेना जिस तरह बार-बार संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रही है, उससे जाहिर है कि वह भारतीय सैनिकों को उकसाने की कोशिश कर रही है। पहलगाम हमले के बाद से वह चार बार गोलीबारी कर चुकी है। हालांकि आमतौर पर छोटे हथियारों से गोलीबारी की जाती है, तो उसका यही मतलब होता है कि दुश्मन देश सीमा पर अपने सैनिकों की मुस्तैदी का संकेत दे रहा है। बताने का प्रयास कर रहा है कि वह किसी भी तरह की चुनौती से निपटने को तैयार है। मगर पाकिस्तानी सेना साजिशन ऐसा करती है। अक्सर वह अपने प्रशिक्षित आतंकवादियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने के मकसद से इस तरह गोलीबारी करती है। इस तरह वह अनेक बार संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर चुकी है।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी से यह शक गहरा होता है कि उसकी साजिश में कहीं न कहीं उसका हाथ है। यह छिपी बात भी नहीं है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजंसी का हाथ है। इसके अनेक प्रमाण मौजूद हैं। भारत सरकार अनेक

आतंकी हमलों से जुड़े प्रमाण पाकिस्तान सरकार और अंतराष्ट्रीय समुदाय को सौंप चुकी है। मगर पाकिस्तान हर दस्तावेज को सिरे से खारिज करता रहा है। वह खुद दहशतगर्दी के गहरे जख्म झेल चुका है, पर इस पर नकेल इसलिए नहीं कस पाता कि वहां निर्णय करने का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत के ऊपर अपना वर्चस्व बना लिया है।

इसलिए सरकार के स्तर पर लिया गया कोई भी निर्णय सेना अपनी मर्जी से स्वीकार या अस्वीकार करती है। दरअसल, आतंकवाद को वहां की सेना ने अपना हथियार बना लिया है और उसका इस्तेमाल वह मुख्य रूप से भारत के खिलाफ करती रही है। ऐसा लगता है कि इसी से उसका वजूद बचा और बना हुआ है।

वह भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियां चला कर उकसाने और सीमा पर तनाव बनाए रख कर पाकिस्तानी अवाम को बरगलाने में कामयाब होती रही है। आतंकवाद और भारत के साथ तनावपूर्ण रिश्ते पाकिस्तान सरकार को भी रास आते हैं। इस तरह वह बुनियादी समस्याओं की तरफ से वहां के लोगों का ध्यान भटकाने में कामयाब हो जाती है। पाकिस्तान पूरी तरह से विफल राष्ट्र है। उसकी माली हालत निहायत खस्ता हो चुकी है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं दुर्दशा झेल रही हैं।

लोगों को दो जून की रोटी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। उधर बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन रोज उसे गंभीर चुनौती पेश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ सीमा पर तनाव से बुनियादी समस्याओं पर कुछ समय के लिए पर्दा पड़ जाता है। मगर इस तरह वहां की सरकार बहुत लंबे समय तक अपनी कमजोरियों को ढंक कर नहीं रख सकती। फिर, चीन से उसे जो मदद मिल रही है, वह स्थायी नहीं है। अपना स्वार्थ सधते ही वह अपना हाथ खींच लेगा।